UP Board Solutions for Class 8 Hindi Chapter 13 गुरु गोविन्द सिंह (महान व्यक्तित्व)

अभ्यास-प्रश्न

प्रश्न 1.
गुरु गोविन्द सिंह ने सिखों को अपने नाम में सिंह लगाने का आदेश क्यों दिया?
उत्तर :
गुरु गोविन्द सिंह ने जाति-पाँति का भेदभाव समाप्त करने और एकता पर आधारित सैनिक संगठन बनाने के लिए सिखों के नाम के साथ 'सिंह' लगाने का आदेश दिया।

प्रश्न 2.
सिखों को किन पाँच वस्तुओं को धारण करना अनिवार्य है?
उत्तर :
सिखों को पाँच ककार- केश, कंघा, कड़ा, कच्छा और कृपाण धारण करना अनिवार्य है।

प्रश्न 3.
पंच प्यारे कौन कहलाए?
उत्तर :
पंच प्यारे वे व्यक्ति कहलाए जो मृत्यु का डर छोड़कर अपनी बलि देने को तैयार हो गए थे।

प्रश्न 4.
खालसा पंथ की स्थापना कब और किसने की?
उत्तर :
सन् 1699 ई० में वैसाखी के दिन गुरु गोविन्द सिंह जी ने 'खालसा पंथ' अथवा सिख धर्म स्थापना की थी।

प्रश्न 5.
रिक्त स्थानों की पूर्ति निम्नांकित में से उचित शब्दों के द्वारा कीजिए (पूर्ति करके)
उत्तर :
नान्दे (हैदराबाद), 1708, पुत्र, 1666,'मुगलों, पिता, 1699

1. गुरु गोविन्द सिंह के जन्म के समय भारत में मुगलों का शासन था।
2. गुरु गोविन्द सिंह की मृत्यु नान्दे (हैदराबाद) स्थान में हुई थी।
3. गुरु तेगबहादुर गुरुगोविन्द सिंह के पिता थे।
4. गुरु गोविन्द सिंह का जन्म 1666 ई० में हुआ था।
5. गुरु गोविन्द सिंह ने वर्ष 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की थी।

प्रश्न 6.
संक्षेप में उत्तर दीजिए
(1).

https://www.evidyarthi.in/

'सच्चे बादशाह' सम्बोधन किसके लिए किया गया था?
उत्तर :
'सच्चे बादशाह' सम्बोधन गुरु गोविन्द सिंह के पितामह गुरु हरगोविन्द के लिए किया गया था।

(2).
'मसन्द' किसे कहते हैं?
उत्तर :
'मसन्द' उन शिष्यों को कहते हैं जो गुरु को स्थान-स्थान पर खड़े होकर भेंट देते थे।

(3).
गुरु गोविन्द सिंह द्वारा रचित पुस्तकों के नाम लिखिए।
उत्तर :
गुरु गोविंद सिंह द्वारा रचित पुस्तकों के नाम हैं- 'चंडी चरित्र', 'चंडी का वार' और 'विचित्र नाटक'।

प्रश्न 7.
निम्नलिखित के बारे में लिखिए- चंडी चरित्र, विचित्र नाटक, पाँचककार
उत्तर :
चंडी-चरित्र – यह गुरु गोविन्द सिंह द्वारा रचित वीररस का सुन्दर काव्य है। गुरु ने इसके माध्यम से शिष्यों में अदम्य साहस और वीरता का संचार किया।

विचित्र नाटक – गुरु गोविन्द सिंह द्वारा रचित इस नाटक के द्वारा लोगों में उत्साह भरने की चेष्टा की गई। इसमें गुरु ने लिखा है, "तुम हमारे पुत्रों के समान हो, नया पंथ चलाओ। लोगों से कहो कि, सत्यमार्ग पर चलकर नासमझी से दूर रहें।"

पाँच ककार – केश, कंघा, कड़ा, कच्छा और कृपाण सिखों को धारण करना अनिवार्य है।

https://www.evidyarthi.in/